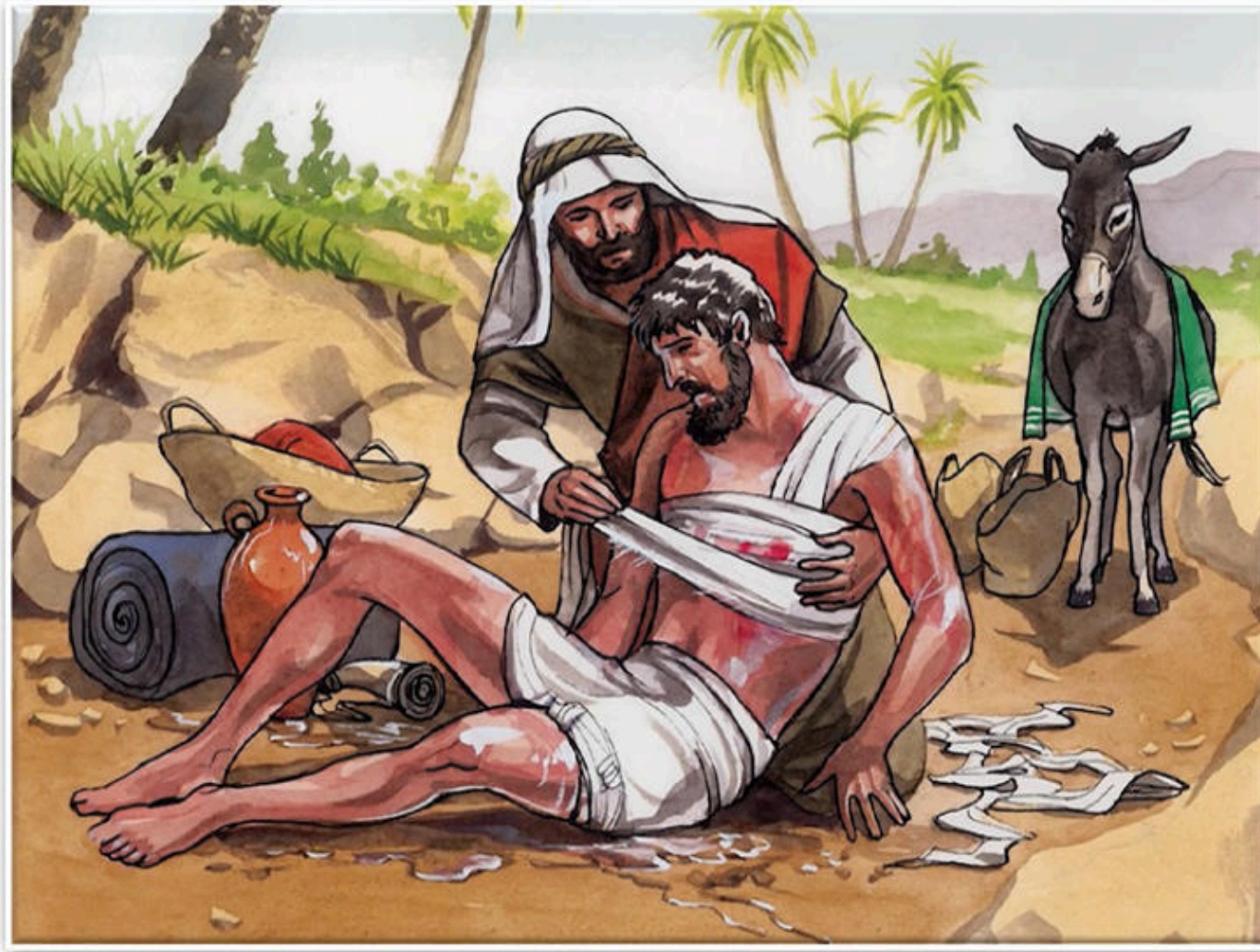


एक बौड़िया सामरी



bangani

एक बौड़िया सामरी

bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



Copyright © 2020, NLCI

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Bangani Language Book
Red level book

परकाशण:-

NLCI

बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें एक अच्छा सामरी किस प्रकार दूसरों की सेवा करता है, उसके बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



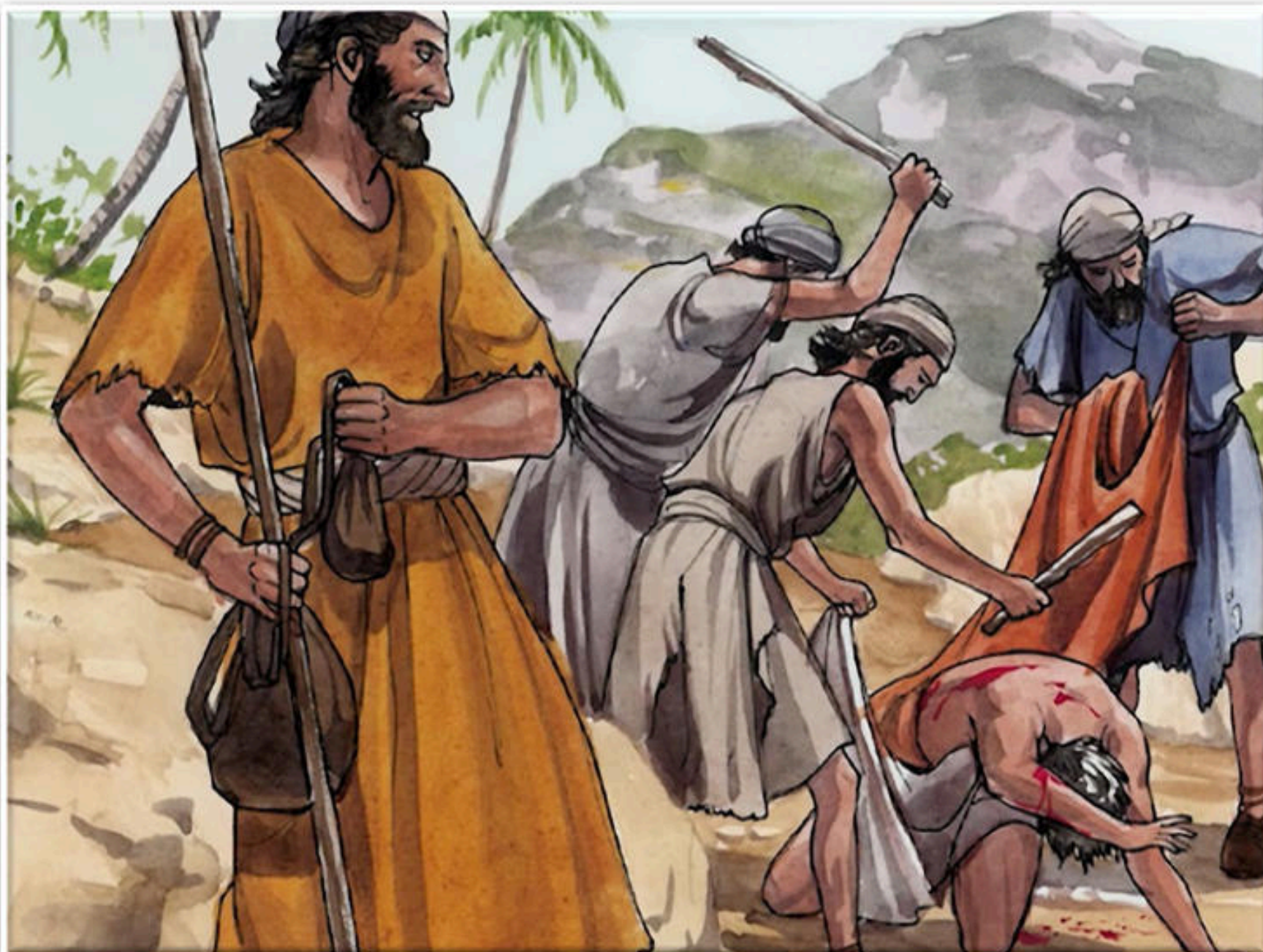
एक बैरै एक माणूछ यीशु काइ
आओ। औज़ि यीशु रि परीक्षा
कौरनेखि पुछौ। गुरु जी सौदाइं रि
ज़िन्दगी पाणेखि आऊं का कौरु।



यीशुइ बोलौ, नियमुं रि किताबी दि
का लिखौन्दौ? तिणी माणूछेइ यीशुइ
आरि बोलौ। तू इश्वर कौइ सारै ज़िऊ,
सारै पराण, सारि शौक्ति, औज़ि सारि
औक्ली कौइ प्रेम कौर।



औज़ि पड़ोसी कौइ बि आफु बाशी
प्रेम कौर। यीशुइ तेसारि बोलौ, कि
ताइं ठीक बोलौ। तू एशौइ कौर एसी
कौइ तू ज़िउंदिया राए लौ। तैबै तिणी
यीशु कौइ पुछौ कि मेरौ पड़ोसी
कुण?



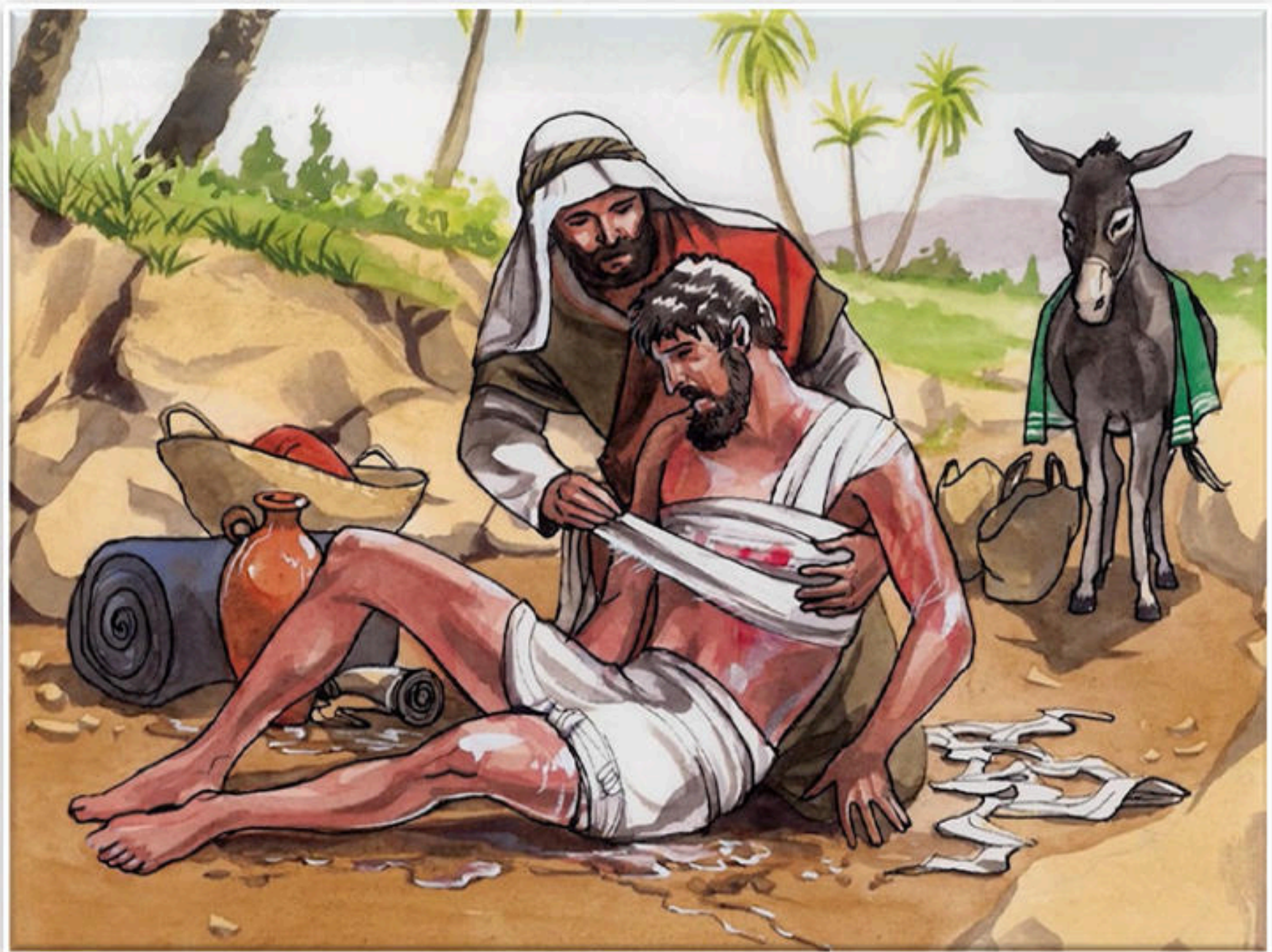
यीशुइ तेसकै ज़ौबाब देन्दु बैरै बोलौ ।
कि एक माणूछ यरुशलम कौइ यरीहो
खि डैऔ । डाकुएइ सेउ पिटियौ
औदमौरौ कौरियौ तेत्कौइ पोरु डै ।



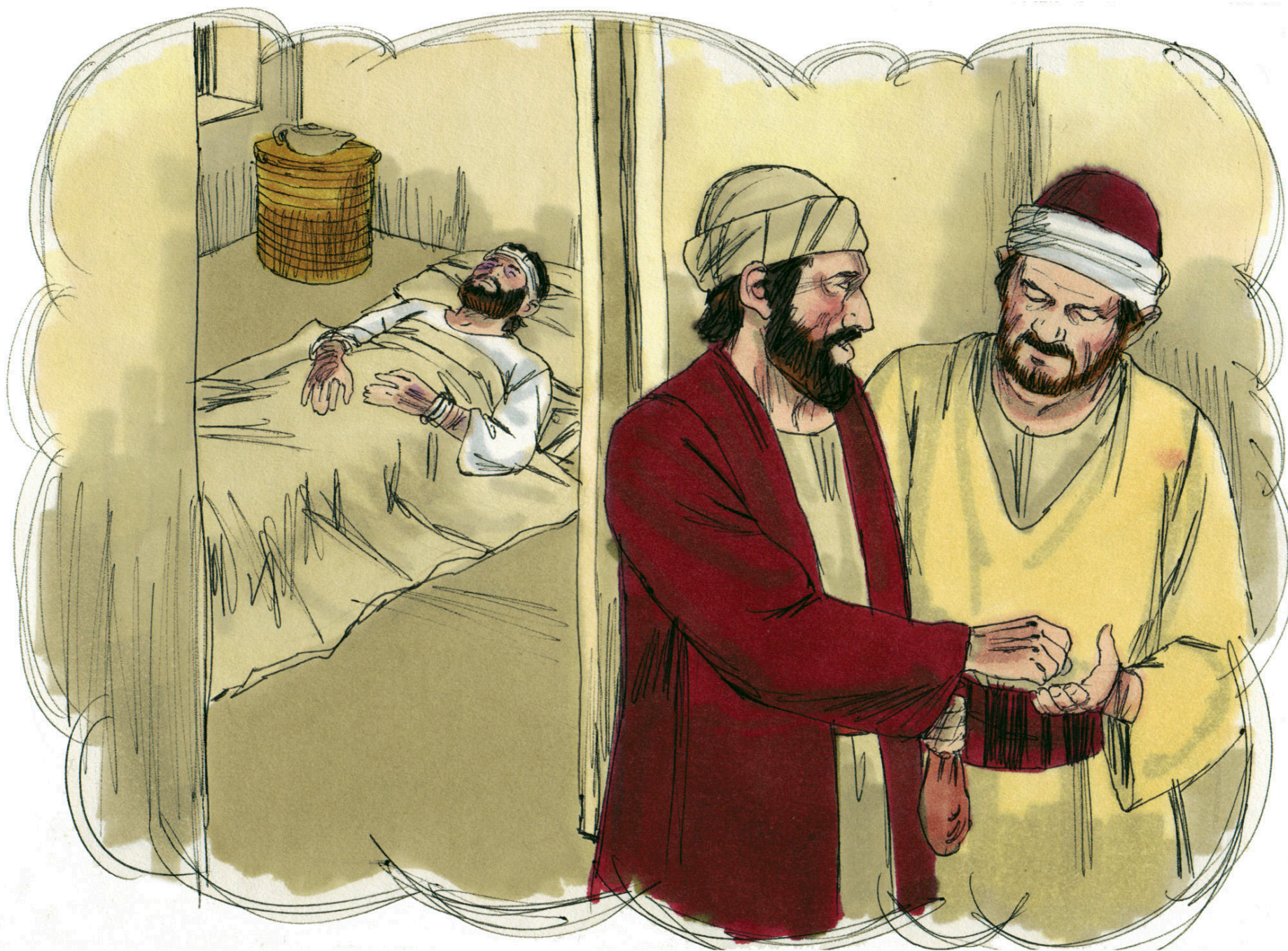
एक याजक सेज़ी बाटेदि डेन्दै रौ थौ
लागी। याजकेइ सेऊ देखौ सेउ
तेतकौइ बाग्दु रौ। तैबै एक लेबी
सेज़ी बाटे दि आऔ।



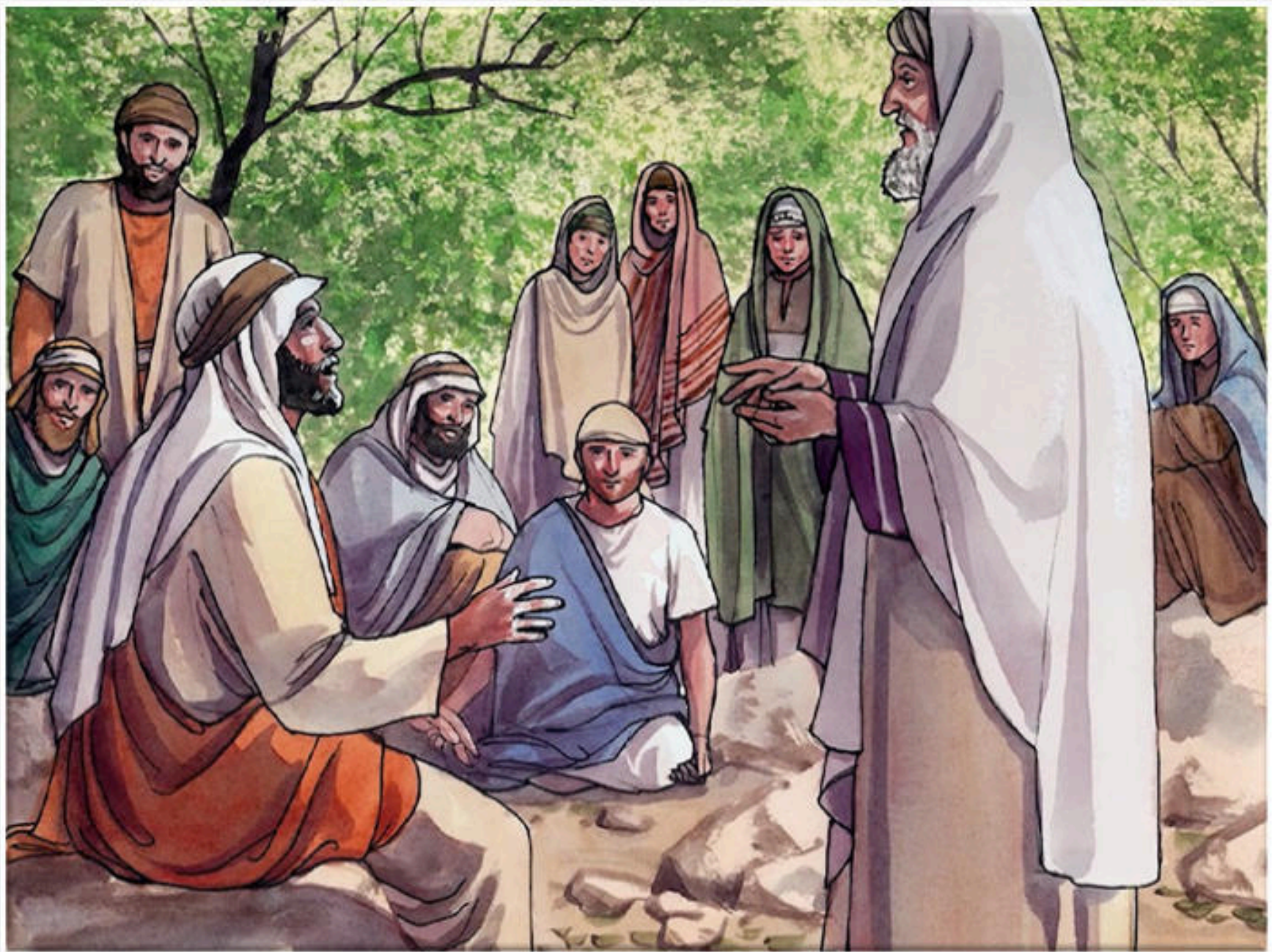
सेउ लेबी बि तेस देखियौ बागुदु रौ ।
तेत्बासियै एक सामरी माणूछ सेज़ी
बाटी डैऔ । तिणी सेऊ माणूछ देखौ
तिणी तेसदि दौया कौरी ।



तिणी तेसरै गाऊ साफ कौरियौ तेस्कै
पौट्टी बानी। तैबै सेउ गादै माइं
बोशाळियौ औस्पताल दि गिणौ।
औज़ि सामरिएइ तेसरि सेवा की।



दुजै दुसै सामरिएइ दुइ चाँदी रै सिक्कै
औस्पताल रै डौक्टर कै देणै। तैबै
सामरिएइ औस्पताल रै डौक्टर आरि
बोलौ की एसरी सेवा कौरै। औज़ि
एसरौ ज़ेज़ौ बि खौचौँ औऐ लौ तेस
आउँ वापस आइयौ देऊ।



यीशुइ सेउ परिक्षा नीणै वाळौ माणूछ
पुछौ। तू बोल कि जेजौ माणूछ
डाकुइ लुटौ थौ। याजक, लेबी औज़ि
सामरी, युं चीन माइं कौइ तेसरै
पड़ोसी कुण?



तिणी बोलौ कि सेजौ माणूछ ज़िणी
तेसदि दौया की। यीशुइ तेसारि
बोलौ, डेऊ तू बि एशौइ कौर।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.